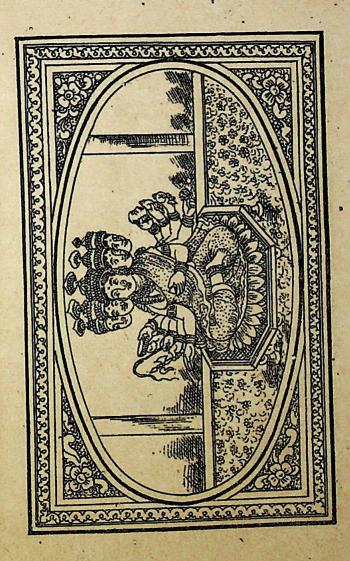
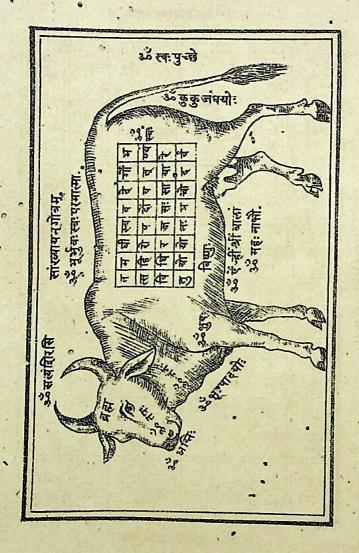


विश्वाकि ।		:	*	500	36	m.	9	20 20	20	0	89
303	गायत्री.	. !		:	.:	:	i	:		•	:
ا المالحالاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتاتا	१ गायत्रीचक्रम् २ गायत्रीत्वित्रम् ३ गायशियन्त्रम् गायत्रीः		:		:		i	. :		:	:
	वेत्रम् रेगा	:	•	•		:	:	:	•	:	:
विषयाः ।	र गायत्रीति	धिः		:	:			J	::	···	
	यत्रीचक्रम्	पुरश्वरण विधिः	विश्वामित्रकत्पः	गायत्रीपद्धतिः	गायञ्जुपनिषत्	गायत्रीतत्त्वम्	८ गायत्रोकवचम्	गायभीपंजरस्तोत्रम्	६०, मायत्रीस्तवराजः	गायत्रीसहस्रनाम	गायत्रापटलम्
क्सिकाः।	% भी		( <u>向</u>		क्रम	6 4	८ गार	- C - H	% मार	<b>%</b> → H	१२ गांव



4



2

## ॥ उठं तत्यूर्वस्याम्॥

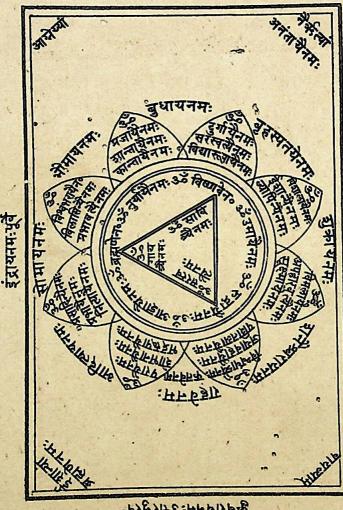
K.

	DUSANO - 230				******	-	-
(ca)	वित्र	重	<b>(</b> Er	िं	क्	संस्	त्र
वं१३	देश	de	वः	अ	न	अर्भिक	मङ
मः ५०	सो१९	या	या	श्च	ंब	यों१८	धरं १७
च	j.	म:	त्म	या	म	स	4
中	田田	म	वी	臣	नं	<u>.</u> وا	ক্য
म २१	बोर्य	趣	中	雷	िं	द र३	यात्र
स्यक्षेत्र	8 भी क	اما •	ř	<b>(P)</b>	िं	म१५	हिश्ह
्र वि	المحلم المحلم	<b>受</b>	कि	垢	. चं	回の	यंट

।। उठ साःपश्चिमस्य CC-0. Digitized by eGangotri, Kamalakar Mishr

॥ माञ्जामहःमह देह।।

## यमायनमः दक्षिणकोणे



केरीयनमः उत्तरमृत्

**出来しては、本語の大学の大学の Digitized by eGangoth Xamalakar Mishra** (

(10

名法権で श्रस्तिधक्त

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, 'Varanasi

व शतमान्य

अस्पार्थात्राचा

V.

3

()ত

E S

9

। धमेशास्त्र प्रा जपसब्याष्ट्रभागान्त यस्त्रशेयकः ॥ स हिजः प्रमो झेयः पन्यप्रणबस्द 2C-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi 1930 न ज अन्यया HAIN -मेन्रपादाग रयमाज्यात ।मिन्नपादा न्नपादना यत्र

नुवर्धः:

0 ज्ञात्या ावाञ्जा न्यमेत्।

4

(lo

#

304 5 च॥११॥नासामध्येत्। गत्॥दक्षनामान्त्र मित्रकल्प

मत्यकः याव

(IT समस्यसेत् ॥ २१॥ अंतर् श्रयाय न॥ १ न्यम **治区** 

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

(M)

D

(IT

0

Co

aranas &C-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, ति वर् त्वान 0 वरत では、

(ত ध्याके ा मुख lo D 0 Sella Sella ॥८॥ प्रात्तगांचत्री सावित्री मा नष्परस्य ॥१३ 166 ब्रित् हनसन् क्रमात 0 निक्र जिल 0 प्रयम्भामे।

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

9

4

सरस्वती

**N** 

T.

(p o 8. (a) CO CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar-Mishra Collection, Varanasi जोत् ॥ १५॥ ॐकारः 大路井 1981 FIF अवा 돼. 0

60 ic I अस्वःनमःदश क्रिय हिन्य मंकरि io (S

8

2000

Ca

F

8

CA

Go. 30 HE 30

o

मों भोगदाये नमः॥ विविधाये नमः॥ बों बो-धन्ये नमः॥ धां धारिण्ये नमः॥ श्रं श्रमाये में नमः॥जं नमः॥छं नमः॥चं नमः। नमः॥हं नमः॥मं नमः॥षं नमः॥शंनमः। नमः॥ छं नमः॥रं नमः॥ यं नमः॥ म नमंशाबं नम्शा फ्नमः॥ प्नमः॥ हं नमः॥ इं नमः॥हं नमः॥हं नुमः॥ दं नुमः॥ थं नुमः। श्रनमः न् शब्दजलमापूर्या। छं नमः॥हं नमः॥स् नमः॥ इत्यध्य 14: = - HH: = 14: I

नुसः॥ कं नमः। T नमः।।घ

गान्ताच । चारान्त्रकल्प्य

वर्धा यव निर्माः ग्रा 当

आनदाय नमः। प्रवित्र हवात्मकपद्म अ अंतरात्मने Ë म्थयोय नमः ॥पून 当世に 語 प्रकृतिमः 三江

0 कालात्मने

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

6

गहनगदिसुद्राः प्रदर्यान धिनं सम्सुखीकरणस् क्षप्य तत्तरस्थानगतान तिमंत्रेण देन्याः पादाबुज पुष्पसंचयक्रिप म्य पिकंगायःयुवार्प्यवेकं हस्ता भूतशा 0 रेप्ट त्वान जियत्।

ti.

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

CON CON

H ii 详

m.

(8 अथ नवस्स ·16 इत्यष्टमान्गाम् 当

अग्रय 38 अमीष्टिं चक्राय 3% SH: यं वायवे मिः॥ॐ अनताय नमः॥ धूलन अ निह्निद्यात्॥ इति नवमावरणम्॥ अ ॐ वं वजाय नमः॥ ॐ शं.शक्रे इंद्राय नमः। । अप्रकार । अप्रकार ॥ मूलेन TUS. 38 SI. । ॐ खं विष्टित्य ॥ ॐ 38 नमः वरुणाय प्तामाय नमः नमः यि नमः नमः॥ॐः देहाय 西海

30

જ = बहुना कि। ध्वाज्यैः प्रसुनेब्रह्मव्यव्या यथावत्साध्य साधिता स्मता मिद्दरी

गायञ्युपानेषत अव

lo b 1 याज्ञवल्क्यः स्वय पाः ज्ञाति व्याहत्यः अरवा स्वाधिरया गयित्याः प्रणवन् भगवान् गिवन् 0

बुद्धदादह 0 Hall TO NOT फन डिइट मुबात गायशी सावित्याः ज्याः उवानात्मा कारा भवति ः सन गायन्याः लेने भवति

THE के की

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi ₩. 9

m.

14

b CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi भारदाजसग क्रध्णवण कि ठ०

000

\*\*\*\* CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi 阿阿

in

100

**₽** 

50

CC-0. Digitized by eGangotrl. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

b

b द्यायाः पूर्वा ाज्यविद् H00 一の対 म भा श्रहाहत्यायाः अगस्यागसन

·世

20

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

60°

Z O भगति 0

20

Hक्टर्स्

नाश्यति॥ मध्यंदिनम् गायत्राक्वच्यारमः दवसकत 3912

18

二二

30

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

ठकम्ब च

1

30 30

3

W 100 ॥ १०॥ आबाहना अवाः = चाता

त्रशत् मह

D

(10°

9

385 क क 多河 AT IO 4 V 200

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi

的

त्रवाद्ध CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi मुच्यतं CHRICK TO ायञ्जा

VIIsnra Collection, Varanas महस्य **Samalakar** श्रीत eGangotri 10

ू स

: PR

5

८०॥ इति विधातार जिष्टता देवी लपःस्यतौ ॥ ४८ 19 10 K+ b पतिस्रा । सत्युम्। (0 । हाभक्तभ्या अथ गायन (दिव्ही शन्त्र 田田 मगवत दवदव वस्पति ।शस्त्र

25

100 P राष्ट्र नार्द CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi विष्णिना 2191010 र्वे के किया है किया ह विव केश्यपार्थ बह्या असम्भूत or or Ħ. 3

ध्यान्याग्या दितास । २० <u>स्यानधुणाबृतास</u> कालाकाचलाचताम् ॥ साद्रानदस् श्रममाकुलाम णप्चात्यभूततात्वानव देवणग्रस्तितास्तास मेताम् ॥ १६ सिवृतास्। ्काम ।

19

मां.

30

16

ांब्ता प्रचौ महजानम्तपः सन्यल तनम् ॥ २७॥ आप्। प्रविद्यान्त्र णाय च स्य - THE 30

करेलसहाहस लसहाम्भ

त्मकाम् ॥ प्रायत CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi नदमात्रम् ॥ ४०॥ ~ ~ ~ Spa ानदाऽस्ता िक

3

अशान्॥ ५०॥ श्रमं CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi HUGGHERIN H J. 779

=

9

वर्षित्रक्षा १८ क्ष CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi बिश्रात्कर्मा 70/ + १ एकाद्शपदंत्यथः HOH. गुक्राणा

AD

N

हिणीस ॥ ६०। स्वस्त्रवाहना

त् मम मध्यमदावतः । अ। जा करि मे पातु मे सद्गाओमापः। बंड्योतिः सदा ममाह्दाद्यह श्रसपद ा पातु प्रचीदयाः रजस्ञित्वा ॥ ६७ 56. I B । ६९ । पाद CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi पात घीमहि में मुखस् में सदा 出 : पातु पादौ पातु मम र मर्गः सदा पतिका Ho **D** सदा तं मम रसः संस 3 मा.

io D

Cil

ug 109 -.6 419B CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanası 8 वित्रध क्ष भोज

जिन्न

· 10 a w -

E SAN CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection,

113

F W

E

9

해.

5 Kamalakar Mishra Collection, Varanasi विवर्ध सर्वक **₩** 59

V

**≒** 

9

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi ३०॥ त्ररंगरदना तित्वज्ञा J. 64

200

To

# ·

F

15CH このイスで

থহাথ CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi यकार्स्या यशा

=

1

A TO END A OF Rod द्रमा सदा 0

CC-0. Digitized by eGangotri-Kamalakar Mishra Collection, Varanasi प्रक्र प्रश्नम् जियदा ॥ सर्वास = 9% 505 0006 F

1 306 1 मनु 00 मध्राल्य 900 स्थलविग्रहा मलयाचलवा 100

3 10 mg CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi W 07 とに上 500 では मेहमंडपा ॥ 99२ ॥ 300 माया भाय स्या महिम्मा

भिहात महानुभ CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi 986 1 000 हैं हिंगी

निक्र P

योगोपमार CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi 286 = योगानदस्वरूपणा यागा (Floal जेश्वराराच्या मार्गातान

प्रहाः प्रबंधप्र प्रायज्ञा प्रणना प्राप्ता प्राच्या । प्रबधा ॥ १४३। महाप्रमाः 200 686

10 HS त्वधारी व ना। चकाराष्ट्र からい मेथरी॥ प्रणबाचताः 50 300 **三** 2006 2

656 विश्वा d विश्र दस्यज्ञ DI エンス

0000 2019

W V

1 980 F याद्वा 名目が

9 **45** Varanasi CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection hus 5 200 3000 FF No 900 यतक याज्ञिकी ラズモに 9

C

स्कच्छवणस TO 1006 ०३६। 13/11: सहस्रक तिष्ठति ॥ न नद्।स्यहम् 903 HOKO! 8 Hod

S T - 95c = 6hh अभित 13061 = 30° Sol

U

7

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanasi J. H. विश क्रिक्स्या विद्या iF H 0,4 र्म Ë

P

**म** 

3 नाष्ट्रने नमः॥ ॐ हि ना। नेत्राभ्यांनमः॥ ॐ यो 38 38 धि नेत्राभ्यां नमः यो छलाटाय नमः 岩岩 出 कण्ठाय । अभन् 38 28 नसः Ä R 出 节 茁

CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Collection, Varanas 409 क्रिया

=

कनिष्टिकाभ्यां स्वराम् करतालकर्प्रधाभ्या

सहस 子では विदिर्धनम् ॥६॥ । ७। इत्या रकामन्द सहस्र सूर्यमंडलिबिम् वह्मम्ब क्तिचन्द्रनम । हत्व। इत्वाम् सहस 1061 ह्याः । सहस्रगः। ताशने महस्रगः

STOP OF 166

このの in the second

(S) D D T

1

नातकारकः। महीमपि ससागराः समाप्तम | | स्थिया जनहत्वाक्त्वा इति गायत्री दत्प्रतियत्तान प्रय न्यून्विधिः

पुस्तकं सुम्बय्यां श्रीकृष्णदासात्मजक्षमराजेन स्वकीये "श्रीवेद्घटेश्वर"स्टीम् सुद्रणयःचीलयेऽ सनत् १९६७ शकं १८३२ % नम

|| 24:-

श्राक्षण्यमूङापि च क्षत्रवैश्यानां धर्मपांडनैहेतुभूतेयं गायत्रा तस्यः प्रजापाठादि इत्येतै: प्रिषतम् । अत उक्तप्रिडतद्वयस्य बहुपकारमारं शिरसा धारयामः । तैया च सर्वेषामपेक्षतेऽतोस्माकमासीन्मनीषैतन्मुद्रणे । एतस्मिनेन माछे. सम्बत् १८२३ तमे लिखितं गायत्रीपंचांगपुस्तकं दत्नेन संगृहीतमयोधः ामण्डलांतर्गतराँगदरेखीप्रान्तस्य दौष्टतपुरनिवासिमहावीरप्रसादद्विवेदि (हेब्टेलिप्राफ्त इन्सपेक्टर आय् ०एम् ०रेछवे झांसी तया विहारवाटिकाविनयविनोद् स्नेहमाळा व ऋतुतरांगिगीके कर्ता ) इस्येतै: प्रिष किस्ताब्दिक २९ तमनियमानुसारेणास्माभिः स्वाधीनतया रक्षितः। इत्यावेदयति तम् । तथा च द्वितीयं प्राचीनं पुस्तकं अगेलपुरनियासिपण्डितचिरंजीङालत्रजनहालं अस्मत्म्रमीपेपि कांनिनिवरासन् पुस्तकानि । इतीमानि संमेश्य रावेरप्रामनिवासिपरञ्ज राममहतनयगोविदशाबिभिः संशोष्य मुद्रितम् । एतस्प्रनमुद्रणाचिकारः १८६७ सेमराजश्रीकृष्णदासः '' श्रीवेकटेश्वर्'' स्टीस्यत्ताल्याष्यक्षः, सुरुबर्हस्थः

## कर्यपुरतकानि।

तंत्रके विषय बहुत अच्छे हैं तांत्रिकोंके अवस्य हेने योग्य है.... थन्वन्तरीतंत्राशिक्षा-भाषाटीका देवादिदेव महादेवप्रणीत इस प्रत्यमे मत्यौगिरावेचौग-इसमें मटलपद्धति क्षच सहस्रनाम स्तोत्रका संग्रह 本 工工

पद्धति कवच सहस्रनाम स्तोत्र भक्तिमय उपासनायोग्य है रेशमीगुटका. ॥) राधाकुष्णपंचांग-जिसमें अरिराधिका और कृष्णाजीका युगळक्ष्य पटळ उच्छिष्टगणपति पंचांग .... नायत्रापुरश्रका

संपूर्ण पुरतकोका ''बद्धासुचीपत्र'' अलगहै, मँगाका देखिये ॥ पता-लेमराज शीक्रज्यदास ''शीवेंड्टेश्वर'' स्टीस् मेस,

**ও** 'खेतवाडी, ঝদ্বারো দার্ল— ক্রিক্রির CC-0. Digitized by eGangotri. Kamalakar Mishra Cellection প্রক্রিবর

